B.A.- II CBCS Pattern Semester-IV

BA12A2-3 - Compulsory Pali

P. Pages : 4 **GUG/W/23/12054**

* 6 9 4 7 *

Time : Three Hours Max. Marks : 80

सुचना :- 1. सर्व प्रश्न अनिवार्य आहे.
सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. स्वीकृत माध्यमात उत्तरे लिहा.
स्वीकृत माध्यम में उत्तर लिखिए।

1. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद किजिए।

तेन खो पन समयेन रञ्ञो मागधस्स सेनियस्स बिम्बिसारस्स पच्चन्तो कुपितो होति। अथ खो राजा मागधो सेनियो बिम्बिसारो सेनानायके महामत्ते आणापेसि-'गच्छथ, भणे, पच्चन्तं उच्चिणथा' ति। एवं, देवा, ति खो सेनानायका महामत्ता रञ्ञो मागधस्स सेनियस्स बिम्बिसारस्स पच्चस्सोसुं। अथ खो अभिञ्ञातानं अभिञ्ञातानं योधानं एतदहोसि 'मयं खो युध्दाभिनन्दिनी गच्छन्ता पापं च कम्मं करोम, बहुं च अपुञ्ञं पसवाम। केन नु खो मयं उपायेन पापा च विरगेय्याम कल्याणं च करेय्यामा' ति? अथ खो तेसं योधानं एतदहोसि-

किंवा / अथवा

अथ खो तेसं दारकानं मातपितरो-सब्बे पिमे दारका समानच्छन्दा कल्याणविप्पाया ति अनुजानिंसु। ते भिक्खुं उपसङ्कमित्वा पब्बज्जं याचिसु। ते भिक्खु पब्बाजेसुं उपसम्पादेसुं। ते रतिया पच्चूससमयं पच्चुट्ठाय रीदन्ति 'यागुं देथ, भत्तं देथ खादनीयं देथा' ति। भिक्खू एवं आहंसु- 'आगमेथ, आवुसो, याव रति विभायति। सचे यागु भविस्सति पिविस्सथ, सचे भत्तं भविस्सति भुञ्जिस्सथ, सचे खादनीयं भविस्सति खादिस्सथ; नो चे भविस्सति यागु वा भत्तं वा खादनीय वा पिण्डाय चरित्वा भुञ्जिस्सथा' ति। एवं पि खो ते भिक्खू भिक्खूहि, वुच्चमाना रोदन्तेव 'यागुं देथ, भत्तं देथ, खादनीय देथा' ति, सेनासनं उहदन्ति पि उग्गिहन्ति पि।

ब) 'पच्चबाधवत्थु' चा सारांश लिहा. **6**
'पच्चबाधवत्थु' का सारांश लिखिए।

किंवा/अथवा

'लिच्छवीवत्थु' चा सारांश लिहा.
'लिच्छवीवत्थु' का सारांश लिखिए।

2. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद किजिए।

1) चित्तकारसुकता व लेखिका, सोभरे सु भमुका पुरेमम।
ता जराय वलिभिप्पलम्बिता, सच्चवादिवचनं अनञ्ञथा॥
2) भस्सरा सुरुचिरा यथा मणी नेत्त हे तुमभिनीलमायता।
ते जरायभिहता न सोभरे, सच्चवादिवचन अनञ्ञथा॥
3) सण्हतुङ्गसदिसी च नासिका, सोभते सु अभियोब्बनपति।
सा जराय उपकूलिता विय सच्चवादिवचनं अनञ्ञथा॥

4) कङ्कण व सुकत सुनिटिठतं, सोभरे सु भम कण्णपाळियो।
ता जराय वलिभिप्पलम्बिना सच्चवादिवचनं अनञ्ञथा॥

किंवा/अथवा

1) माता पुत्तो पिता भाता, अय्यका च पुरे अहुं।
यथाभुच्चमजानन्ती, संसरिहं अनिब्बिसं॥
2) दिट्ठो हि मे सेा भगवा, अन्तिमोयं समुस्सयो।
विक्खीणो जातिसंसारो, नत्थि दानि पुनब्भवो॥
3) आरध्दवीरियो पहितत्ते, निच्चं दळदपरक्कमे।
समग्ग सावके पस्से, एसा बुध्दानं वन्दना॥
4) बहुनं वत अत्थायं, माया जनयि गोतमं।
ब्याधिमरणतुन्तानं, दुक्खक्खन्धं व्यपानुदी' ति॥

ब) उप्पलवण्णाथेरीगाथाचा सारांश लिहा. **6**
उप्पलवण्णाथेरीगाथा का सार लिखिए।

किंवा/अथवा

पटाचाराची जीवनगाथा तुमच्या शब्दात लिहा.
पटाचारा की जीवनगाथा तुम्हारे शब्दो में लिखिए।

3. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद किजिए।
एवं मे सुत्तं। एकं समयं भगवा राजगहे विहरति
वेकुवने। कलन्दकनिवापे अथ खो राजकुमारो येन निगण्ठो नातपुत्तां तेनुपसङ्कमि; उपसङ्कमित्वा निगण्ठं नातपुत्तं अभिवादेत्वा एकमन्तं निसीदि। एकमन्तं निसिन्नं खो अभयराजकुमारं निगण्ठो नातपुत्तो एतदवोचं-'एहि त्वं, राजकुमारं समणस्स गोतमस्स वादं आरोपेहि। एवं ते कल्याणो कितिसद्दो अब्भुग्गच्छिस्सति-'अभयेन राजकुमारेन समणस्स गोतमस्स एवं महिध्दिकस्स एवं महानुभावस्स वादो आरोपितो-ति। 'यथा कथं पनाहं, भन्ते, समणस्स गोतमस्स एवं महिध्दिकस्स एवं महानुभावस्स वादं आरोपेस्समिति।

किंवा/अथवा

एकं समयं भगवा भग्गेसु विहरति सुसुमारगिरे भेसकळावने मिगदाये। तेन खो पन समयेन बोधिस्स राजकुमारस्स कीकनदो नाम पासादो अचिरकारितो होति अनज्झावुट्ठो समणेन वा ब्राह्मणेन वा केनचि वा मनुस्सभूतेन। अथ खो बोधि राजकुमारो सञ्जिकापुत्तं माणवं आमन्तेसि- 'एहि, त्व, सम्म सञ्जिकापुत्तं, येन भगवा तेनुपसङ्कम; उपसङ्कमित्वा मम बलं फासुविहारं पुच्छ- 'बोधि, भन्ते, राजकुमारो भगवतो पादे सिरसा वन्दति, अप्पाबाधं अप्पातेङ्क लहूट्ठानं बलं कासुविहारं पुच्छतो ति। एंव च वदेहि-अधिवासेतु किर, भन्ते, भगवा बोधिस्स राजकुमारस्स स्वातनाय भत्तं सध्दिं भिक्खुसदड्ढेघना' ति।

ब) रट्ठपालथेराचे जीवनपट सांगा. **6**
रट्ठपालथेराचे जीवनपट बताईए।

किंवा/अथवा

तथागताचे मासांहाराविषयीचे विचार लिहा.
तथागत का मासांहार विषय में विचार लिखिए।

4. अ) विभक्ती प्रत्यय लिहा **कोणतेही एक**. **4**
विभक्ती प्रत्यय लिखिए **कोई भी एक**।
सा, बधू, सब्ब

ब) निमित्तार्थक अव्यय लिहा **कोणतेही दोन**. **2**
निमित्तार्थक अव्यय लिखिए **कोई भी दो**।
गम, कर, लभ, पठ

क) अव्यय ओळखा **कोणतेही दोन** **2**
अव्यय पहचानिए **कोई भी दो**।
पिवितु, करित्वा, सब्बदा, गमित्वा

ड) स्वीकृती माध्यमात भाषांतर करा. **4**
स्वीकृत माध्यम में अनुवाद किजिए।
1) सब्बे जना बुध्दं सरणं गच्छन्ति
2) अहं एकं भिक्खु सध्दिं विहारे गच्छि।
3) दारिका गेहे कम्मे करन्ति।
4) ते मम अट्ठपिता अत्थि।

इ) पालित भाषांतर करा. **4**
पालि में अनुवाद कीजिए।
1) बागेत स्त्री उभी आहे
बगीचे में स्त्री खड़ी है।
2) तो घरी जाणार नाही.
वह घर में नही जायेंगा।
3) श्रमण ध्यान करतात.
श्रमण ध्यान करते है।
4) बुध्दं माणसांना धम्म सांगतात.
बुध्दं मनुष्यो को धम्म बतलाते है।

5. अ) टिपणे लिहा **कोणतेही दोन**. **6**
टिप्पणियाँ लिखिए **कोई भी दो**।
1) विनयपिटक
2) मज्झिमनिकाय
3) अम्बपालि
4) रट्ठपाल

ब) योग्य पर्याय लिहा. **10**
योग्य पर्याय लिखिए।
1) भिक्खू-भिक्खूणिंच्या आचरणासंबंधीचे नियम
भिक्खू-भिक्खूणिंयो के आचरण संदर्भ में नियम।
अ) विनयपिटक
ब) चरियपिटक
क) अनुपिटक
ड) सुत्तपिटक

2) मगध देशात किती रोगांचा फैलाव झाला होता.
मगध देश में कितने रोगो का फैलाव हुआ था।
अ) 08 ब) 07
क) 06 ड) 05

3) किलासो हा कोणता रोग आहे.
किलासो यह कौनसा रोग है।
अ) चर्मरोग ब) कूष्ठरोग
क) ताप ड) सुज

4) सैनिकांना प्रव्रज्ज्या दिल्यास दोष लागतो.
सैनिको को प्रव्रज्जीत किया तो यह दोष लगता.
अ) सेम्बीय ब) निसग्गीयं
क) दुक्कटं ड) पाचतिय

5) आम्रपालिने तथागतांना काय दान दिले.
आम्रपालिने तथागत को क्या दान दिया।
अ) भोजन ब) आम्रवन
क) राज्य ड) संपत्ती

6) थेरीगाथा ग्रंथ कूठे येतो.
थेरीगाथा ग्रंथ कहाँ आता है।
अ) खुद्दकनिकाय ब) खुद्दकपाठ
क) चरियपिटक ड) अनुपिटक

7) महाप्रजापतिगोतमी तथागतांना काय संबोधते.
महाप्रजापतिगोतमी तथागत को क्या कहती है।
अ) गोतम ब) शाक्य
क) आदित्य ड) सिध्दार्थ

8) मज्झिमनिकायाचे सुत्त किती आहेत.
मज्झिमनिकाय के सुत्त कितने है।
अ) 150 ब) 151
क) 152 ड) 153

9) 'का' या स्त्रीलिङ्ग शब्दाचा अर्थ सांगा.
'क' इस स्त्रीलिङ्ग शब्द का अर्थ बताईए।
अ) काय/क्या ब) कोणते/कोणसे
क) कोण/कोन ड) कधी/कब

10) पालि भाषेलाच म्हणतात.
पालि भाषा को कहते है।
अ) पैशाची ब) खरोष्ट्ठी
क) मागधी ड) अवंतीक

****